सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 226 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 22 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

सुपर-4 में भी भारत ने पाकिस्तान को... 7
फिर एकबार उठेगा आंदोलनों का... 3
वन्यजीवों के हमलों को रोकने में... 2

राहत या राजनीतिक तमाशा!

जीएसटी सुधार : गहरे घांवों पर बैंडेड है, इलाज नहीं

» क्या वास्तव में आम जनता को मिलेगा टैक्स कटौती का लाभ या यह भी हो जाएगी कारपोरेट लूट का शिकार

» सात वर्षों बाद टैक्स सुधार

» अखिलेश यादव बोले- क्या नगद वापस देगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार से लागू हो रहे जीएसटी सुधारों पर बड़ी बहस छिड़ गयी है। सरकार इसे बचत उत्साव के तौर पर पेश कर रही है तो विपक्ष ने इसे राजनीतिक ड्रामा करार देते हुए सरकार पर बड़ा हमला बोला है। विपक्ष का आरोप है कि सात वर्षों तक बेतुके टैक्स की मार झेल रही जनता को नाकाफी राहत दी गयी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुर्न खड़गे ने राहत को घावों पर बैंडेड जैसा बताया है। उनका कहना है कि कांग्रेस की सरकार के बाद जनता को असली राहत मिलेगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि क्या सरकार आठ साल में वसूले गए जीएसटी के पैसे आम जनता को नगद वापस देगी।

भारत में टैक्स सुधार के नाम पर वर्ष 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तो जनता को सपने दिखाए गए थे कि सरल टैक्स, सस्ती वस्तुएं, पारदर्शी व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। लेकिन सात साल गुजरने के बाद हकीकत में ऐसा कुछ नहीं हुआ और जतना टैक्स के अनोखे जंजाल में फंस गयी। पहले तो किसी की कुछ समझ में ही नहीं आया लेकिन जब समझ आया तो तबतक काफी देर हो चुकी थी। अब सात वर्षों पर जीएसटी 2.0 के नाम पर नया जीएसटी सुधारों के साथ लागू किया गया है। सवाल यह भी है कि क्या कम होने वाली राहत आम जनता को नसीब होगी या फिर यह भी कारपोरेट लूट का शिकार बन जाएगी।

> वित्तीय विशेषज्ञों का यही कहना है कि यदि सरकार वास्तव में जनता को राहत देना चाहती है तो टैक्स कटौती के साथ साथ प्राइस मॉनिटरिंग और कंपनियों पर सख्त निगरानी जरूरी है। अन्यथा यह राहत भी जनता तक नहीं पहुंचेगी और कॉरपोरेट जगत अपने मुनाफे को दोगुना कर लेगा। यानी सवाल जस का तस है टैक्स कटौती से राहत मिलेगी या कॉरपोरेट लूट का नया अध्याय लिखा जाएगा?

8 साल में 55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वसूले : खरगे

पीएम के संबोधन के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि नरेन्द्र मोदी आपकी सरकार ने कांग्रेस के सरल और कुशल जीएसटी के बजाय, अलग-अलग नौ स्लैब से वसूली कर गब्बर सिंह टैक्स लगाया और 8 साल में 55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वसूले। अब आप 2.5 लाख करोड़ रूपए के बचत उत्सव की बात कर के जनता को गहरे घाव देने के बाद मामूली बैंड ऐड लगाने की बात कर रहे हैं। जनता कभी नहीं भूलेगी कि आपने उनके दाल-चावल-अनाज, पेंसिल, किताबें, इलाज, किसानों के ट्रैक्टर सबसे जीएसटी वसूला था। आपकी सरकार को तो जनता से माफी मांगनी चाहिए।

> सरकार ने पिछले आठ सालों में जीएसटी के नाम पर जो वसूली की है, क्या वह जनता को नकद दी जाएगी।
> अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, सपा

कांग्रेस ने जुलाई 2017 से ही जीएसटी 2.0 की मांग की है: जयराम रमेश

जयराम रमेश ने पीएम के संबोधन के बाद बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस लंबे समय से यह तर्क देती आई है कि जीएसटी वास्तव में ग्रोथ सप्रेसिंग टैक्स है। हाई स्तर की बड़ी संख्या में टैक्स स्लैब, आम उपभोग की वस्तुओं पर दंडात्मक कर दरें, बड़े पैमाने पर चोरी और गलत वर्गीकरण, महंगी औपचारिकताओं का बोझ और एक उल्टा शुल्क ढांचा जैसी कई समस्याएं हैं। इसलिए कांग्रेस ने जुलाई 2017 से ही जीएसटी 2.0 की मांग की और यह लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हमारे न्याय पत्र में एक प्रमुख वादा भी था। जयराम ने कहा कि वर्तमान जीएसटी सुधार इसलिए अपर्याप्त प्रतीत होते हैं कि अभी कुछ लंबित मुद्दों का समाधान होना है। अर्थव्यवस्था में प्रमुख रोजगार सृजनकर्ता एमएसएमई की व्यापक चिंताओं का सार्थक समाधान किया जाना चाहिए। बड़े प्रक्रियात्मक परिवर्तनों के अलावा इसमें अंतरराज्यीय आपूर्ति पर लागू होने वाली सीमाओं को और बढ़ाना शामिल है।

जीएसटी की नई दरें

0 प्रतिशत- इस कैटेगरी में आवश्यक वस्तुएं शामिल है जैसे दूध, अनाज, दवाइयां आदि।

5 प्रतिशत- जीएसटी किस नहीं कैटेगरी में जरूरी और रोजाना इस्तेमाल की वस्तुओं को रखा गया है। पहले कई वस्तुएं 12 और 18 प्रतिशत के स्लैब में आती थीं।

18 प्रतिशत- इस श्रेणी में मध्यम कैटेगरी की वस्तुएं शामिल हैं।

40 प्रतिशत- इस सरकार के द्वारा सिन टैक्स कैटेगरी कहा गया है। जिसमें गुटखा, तंबाकू, शराब ऑनलाइन, गेमिंग, लग्जरी कार, सट्टेबाजी जैसी चीज शामिल हैं।

दिल्ली में दिखा असर लेकिन यूपी में नहीं

जीएसटी 2.0 के लागू होने के पहले ही दिन दिल्ली में दूध और डेयरी उत्पादों पर जीएसटी दरों में भारी कटौती का असर दिखने लगा है। सरकार ने पनीर, छेना, अल्ट्रा-हीट ट्रीटमेंट (यूएचटी) दूध और अन्य डेयरी आइटम्स पर टैक्स को शून्य कर दिया है जिसे लेकर स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर की है।

कहीं यह कॉरपोरेट लूट का नया हथकंडा न बन जाए?

भारतीय बाजार की सच्चाई यही है कि जब टैक्स बढ़ता है तो व्यापारी और कंपनियं तुरंत दाम बढ़ा देती हैं। लेकिन जब टैक्स घटता है तो वे कीमतें घटाने में देरी करते हैं या फिर मामूली कमी कर दिखावा करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि टैक्स कटौती का असली फायदा आम जनता को नहीं बल्कि बड़ी कंपनियों को मिलता है। उदाहरण के तौर पर उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में जीएसटी की कटौती के बाद भी कई बार कंपनियों ने कीमतों को एमआरपी पर स्थिर रखा। उपभोक्ता को वही दाम चुकाना पड़ा जबकि कॉरपोरेट्स की जेब में मुनाफा और बढ़ गया। यही कारण है कि विपक्ष इसे कॉरपोरेट लूट भी कह रहा है।

वन्यजीवों के हमलों को रोकने में नाकाम रही भाजपा सरकार : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- पिछड़ा-दलित-आदिवासी समुदाय के गरीब परिवारों से ज्यादा पीड़ित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर तीखा हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा बीजेपी के शासनकाल में राज्य में जंगली जानवरों के हमले बढ़े हैं, जिससे कई मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वन्यजीवों के हमलों को रोकने में नाकाम रही है।

लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए सपा मुखिया ने कहा कि बिजनौर, पीलीभीत, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर और कई अन्य जिलों में यह संकट गहरा रहा है। उन्होंने कहा कि 2024 में राज्य में जंगली जानवरों के हमलों में 60 लोगों की मौत हो गई और 220 घायल हो गए और ये सभी लोग पिछड़ा-दलित-आदिवासी समुदाय के गरीब परिवारों से थे।यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पीड़ितों के परिजनों को कोई मदद नहीं दी। उन्होंने कहा कि जब सपा सत्ता में वापस आएगी तो ऐसा नहीं होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगली जानवरों के हमले किसानों और गरीबों को संकट में डाल रहे हैं, जिससे वे अपनी ज़मीन पर खेती करने और जानवरों से अपनी फसलों की रक्षा करने में असमर्थ हो रहे हैं। सपा प्रमुख ने निष्पक्ष चुनाव के लिए भी अपनी दलील दी।यादव ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए, आधार कार्ड को चिप्स से जोड़ा जाना चाहिए ताकि फर्जी आधार पहचान पत्र बनवाकर फर्जी वोट डालने से बचा जा सके।

चुनावी तैयारियों पर चर्चा की

समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, यादव ने औरैया जिले के पार्टी नेताओं के साथ चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान, यादव ने कहा कि अगर जाति जनगणना शुरू की जाती है तो आरक्षण ठीक से लागू होगा और 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय की एकता और ताकत लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि पीडीए सदस्यों की कड़ी मेहनत से ही पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रदेश में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर समाज में नफरत फैलाकर समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे को कमजोर करने का आरोप लगाया।

भाजपा सरकार ने विदेश नीति को ताक पर रख दिया

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर एकबार निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने विदेश नीति को ताक पर रख दिया है। सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा, "भाजपा राज में विदेश नीति का आपातकाल आ गया है।" उन्होंने इसे स्पष्ट किया, "भाजपा सरकार न मनचाहे टैरिफ़ से बचा पा रही है और न ही मनमानी वीज़ा फ़ीस से। यादव ने दावा किया कि सरकार न तो पड़ोसी देशों से संबंधों को बचा पा रही है और न गुटनिरपेक्षता की ऐतिहासिक नीति को। उन्होंने पोस्ट में यह भी कहा, "भाजपा सरकार प्रवासी भारतीयों को न तो हथकड़ी और जंजीर से और न ही सरेआम अपमान से बचा पा रही है।

भारतीयों को हिंसक हमलों से बचाने में भी सरकार नाकाम

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विदेश में बसे भारतीयों को हिंसक हमलों से बचाने में भी सरकार नाकाम है। सपा प्रमुख ने कहा कि आतंकवाद पर सरकार किसी देश को भी साथ नहीं ला पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विदेश नीति को ताक पर रख दिया है।

'जम्मू-कश्मीर में शांति आवश्यक'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश में विकास और पर्यटन तथा खेल क्षेत्रों की बेहतरी के लिए शांति एक बुनियादी शर्त है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, विकास, पर्यटन या खेल... हमें हर चीज के लिए शांति चाहिए।

अगर हम दिन-रात के मैच कराने की बात करते हैं और स्थिति ठीक नहीं है, तो कौन खेलने आएगा? उन्होंने यहां रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब की जर्सी का विमोचन किया। उन्होंने कहा, शांति हर चीज का आधार है। आज के कार्यक्रम, यानी जर्सी विमोचन कार्यक्रम का संदेश भी शांति ही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विकास के लिए शांति आवश्यक है। सिन्हा ने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अब भी मौजूद है। अब्दुल्ला ने कहा कि शांति स्थापित करने की जिम्मेदारी उन पर नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग जिम्मेदार हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

बीजेपी ने सस्ते में गरीबों की जमीन लेकर उद्योगपतियों को दी : चंद्रशेखर

» नगीना सांसद ने अयोध्या में दिखाई सियासी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों का माहौल गर्म हो गया है। इसी कड़ी में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में जुटी भारी भीड़ ने उनकी सियासी ताकत का अहसास कराया।

चंद्रशेखर आजाद ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले 17 से 18 महीनों तक चैन की नींद न सोएं, बल्कि गांव-गांव जाकर आजाद समाज पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी लगभग 50 प्रतिशत सीटें पिछड़े वर्ग के भाइयों को देगी ताकि उनकी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण को लेकर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि इस परियोजना में सबसे ज्यादा भूमि अनुसूचित जाति के लोगों की अधिग्रहित की गई है। न तो उन्हें ढंग से मुआवजा दिया गया और न ही पुनर्वास की कोई व्यवस्था की गई। सांसद ने बताया कि अब तक 150 से ज्यादा मकानों को तोड़ा जा चुका है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि गरीबों की जमीनें औने-पौने दामों में खरीदकर उद्योगपतियों को दी जा रही हैं। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और शोषण की पराकाष्ठा बताया और जनता से अपील की कि आने वाले चुनाव में इसका जवाब जरूर दें।

90प्रतिशत महायुति विधायक धांधली से जीते : राउत

» वोट चोरी की सियासत रुक नहीं रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और कहा कि महाराष्ट्र में महायुति के 90 प्रतिशत विधायक वोट चोरी के कारण जीते हैं। राउत की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी के हालिया दावों के दो दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र से लगभग 6000 वोटों की वोट चोरी का आरोप लगाया था।

इस साल की शुरुआत में, कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग द्वारा बेंगलुरु मध्य लोकसभा क्षेत्र से लगभग 100000 नामों को हटाने और चुनावों में धांधली करने में भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया था। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे लोग चुने गए हैं जिनके बारे में लोगों को भी पता नहीं है कि वे विधायक हैं। वे वोट चोरी के कारण विधायक बने हैं। एकनाथ शिंदे, अजित पवार या भाजपा के 90 प्रतिशत विधायक वोट चुराकर या धांधली करके विधायक बने हैं। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कुछ खास लोग व्यवस्थित रूप से अल्पसंख्यक समूहों के वोट काट रहे हैं जो विशेष रूप से कांग्रेस को वोट देते हैं।

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' के दावों की अनदेखी कर रह है: सचिन पायलट

कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने निर्वाचन आयोग पर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोपों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। पायलट ने कहा कि आयोग बिना उचित जांच किए कांग्रेस और विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने पर तुला हुआ है। उन्होंने कहा, "राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के ठोस सबूत पेश किए हैं। इसके बावजूद आयोग न तो आरोपों से इनकार कर रहा है और न ही कोई जांच शुरू कर रहा है। पायलट ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के साथ सुनियोजित तरीके से छेड़छाड़ की जा रही है और करोड़ों वैध वोट या तो हटा दिए गए हैं या गलत तरीके से चिह्नित किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निष्पक्ष चुनाव कराना संवैधानिक जिम्मेदारी है और अगर इस तरह की गतिविधियां जारी रहीं, तो लोकतंत्र में जनता का भरोसा खत्म हो सकता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ मुद्दों पर कूटनीति कमजोर रही है और अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ घोषणाओं के दौरान राहत उपायों में देरी हुई है।

राहुल गांधी की भाषा जिहादियों जैसी : बृजभूषण शरण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। गोंडा जिले के कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को कहा कि राहुल गांधी की भाषा जिहादियों और आतंकवादियों जैसी है। पूर्व सांसद अपने आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे।

राहुल गांधी के बयान कि वोट चोरी के पक्के सबूत हैं, हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे, पर उन्होंने कहा कि जिस भाषा का इस्तेमाल राहुल गांधी कर रहे हैं यह संसदीय भाषा नहीं है। उन्हें अगर कोई दिक्कत है। कोई घोटाला पकड़ा है तो उन्हें बताना चाहिए। उसकी चर्चा संसद में कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं, लेकिन यह जिहादी मानसिकता है। कभी शैतान बताते हैं, कभी सर तन से जुदा करने की बात करते हैं। अब बम फोड़ने वाली भाषा बोल रहे है। उन्होंने कहा कि वह अपनी भाषा का इस्तेमाल सोच समझकर नहीं करते हैं। लोकतंत्र में भाषा की एक मर्यादा होती है जो राहुल गांधी के पास बिल्कुल नहीं है।

फिर एकबार उठेगा आंदोलनों का तूफान

यूपी, महाराष्ट्र के बाद राजस्थान व झारखंड में बवाल

» कहीं नौकरी, कहीं आरक्षण तो कहीं मुआवजे की मांग

» भाजपा सरकारों पर विपक्ष हमलावर

» सड़क जाम, रेल रोको आंदोलन चरम पर होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर देश के कई क्षेत्रों में आंदोलनों तेज हो गए है। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण, यूपी में शिक्षक भर्ती के लिए धरना प्रदर्शन अभी जारी हैं। इस बीच राजस्थान में किसान मुआवजे को लेकर व झारखंड में कुड़मी जाति को एसटी का दर्जा देने को लेकर आंदोलन चरम पर पहुंचा। झारखंड में कुड़मी जाति को एसटी (अनुसूचित जनजाति) का दर्जा देने की मांग को लेकर पिछले दिनो कई जिलों में आंदोलन उग्र रूप में सामने आया।

सरायकेला जिले के सीनी रेलवे स्टेशन पर हजारों लोग रेल पटरियों पर बैठ गए, जिससे ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। सीनी रेलवे स्टेशन पर हजारों पुरुष और महिलाएं रेल पटरियों पर बैठ गए, जिससे ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। रेलवे की दोनों रूटों पर ट्रेनें प्रभावित रहीं। दर्जनों ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी कर दी गईं, कई ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन परिसर में बच्चे, बुजुर्ग और अन्य यात्री बुरी तरह फंसे रहे।

कुड़मी समाज की झारखंड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

कुड़मी समाज के नेताओं ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन आज तक उन्हें उनके अधिकार नहीं मिले। नेताओं प्रकाश महतो, सुनील महतो और आशुतोष महतो ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा है और केंद्र सरकार कुड़मी जाति को एसटी का दर्जा देने तक यह आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।महिला प्रदर्शनकारियों ने भी आंदोलन की अगुवाई की। पार्वती देवी, अनीता देवी और मल्टी देवी ने कहा कि झारखंड पर पहला हक कुड़मी महतो समाज का है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जल, जंगल और जमीन पर उनका अधिकार है और असली

आदिवासी कुड़मी महतो ही हैं। रेल रोको आंदोलन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की है। सीनी स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारी लगातार मौके पर कैंप कर रहे हैं ताकि आंदोलनकारियों और यात्रियों के बीच किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंदोलन के कारण कई प्रमुख ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। कुछ ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया, जबकि कई को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। लंबी दूरी की गाड़ियों में फंसे यात्रियों को भोजन और पानी की भी परेशानी झेलनी पड़ी।

राजस्थान में मुआवजे को लेकर सड़क पर किसान

किसानों के फसल मुआवजा जन अधिकार आंदोलन ने पूरे राजस्थान। शहर के अहिंसा सर्किल स्थित खटीक छात्रावास में आयोजित सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर समेत कई नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए आड़े हाथों लिया। अतिवृष्टि से हुए मुआवजे का अभी तक भुगतान नहीं करने से आंदोलन में शामिल हुए किसानों में आक्रोश था। सभा में धीरज ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों, कारीगरों और

कामगारों की पार्टी है जबकि भाजपा ने देश को अंबानी-अडानी के जरिए आर्थिक गुलामी की जंजीरों में जकड़ दिया है। भाजपा भय, भूख, भ्रष्टाचार, भाजपा और भजनलाल सब बराबर हो रहे है। आंदोलन की अगुवाई कर रहे राष्ट्रीय सचिव धीरज ने सभा में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद व विधायक को जिताने की ताकत किसान के पास है। यदि मुआवजा नहीं मिलेगा तो किसानों को सड़क पर उतरना पड़ेगा। गुर्जर ने सभा के दौरान खराब मक्का की फसल हाथ में लेकर कहा कि किसान बर्बाद होती फसल को देख खून के आंसू रो रहे, लेकिन सरकार मुआवजा देने को तैयार नहीं। गुर्जर ने अपनी बात को कुछ इस तरह रखा यह कैसे मंजर सामने आने लगे हैं, नाचते-गाते लोग चिल्लाने लगे हैं, बदल दो इस ठहरे हुए पानी को, अब तो कमल का फूल मुरझाने लगा है।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के आंदोलन से झुकी सरकार

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को आंदोलन करने वाले मनोज जरांगे की मांग सरकार ने मानी। उन्होंने भाजपा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील द्वारा पेश किया गया जूस पीकर उपवास तोड़ा। राधाकृष्ण विखे पाटिल मराठा आरक्षण पर गठित कैबिनेट उपसमिति के अध्यक्ष हैं। उपवास खत्म करने के बाद जरांगे एंबुलेंस से अस्पताल जांच ले जाया गया। जालना जिले के रहने वाले 43 वर्षीय जरांगे अब छत्रपति संभाजीनगर के उत्कानगरी क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती होंगे। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि उनकी हालत सामान्य है और उन्हें आईसीयू में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है। इससे पहले भी वह

इसी अस्पताल में इलाज करा चुके हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जरांगे की स्थिति पर नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं, आंदोलन खत्म होने के बाद मराठा समाज ने इसे बड़ी राहत के रूप में देखा है।

'एकनाथ शिंदे की शिवसेना धीरे-धीरे हो जाएगी खत्म'

शिवसेना, बीजेपी और बुलेट ट्रेन पर तीखे सवाल

» शिंदे गुट भाजपा में होगी विलीन : राउत

» उद्धव ठाकरे गुट का बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे गुट पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा, गद्दार हमारे ऊपर आरोप लगाते हैं राजेश मोरे कौन हैं, हमें पता भी नहीं है। संजय राउत ने प्रताप सरनाइक और एकनाथ शिंदे की उपलब्धियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह सब सिर्फ ध्यान भटकाने की कोशिश है।

उन्होंने दो टूक कहा कि वे ठाणे जाएंगे या नहीं, यह कोई सवाल ही नहीं है- वे कल ही ठाणे जाकर आए हैं। वहीं संजय राउत ने बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, बुलेट ट्रेन बनने दो, हमारा विरोध है, क्योंकि हमने इसकी मांग कभी नहीं की थी। आपने दिल्ली से मुंबई क्यों नहीं जोड़ी? सिर्फ मुंबई को गुजरात से जोड़ने की जल्दी है।

पार्टी के भीतर सियासी बयानबाजी तेज

संजय राउत ने कहा कि राजन विचारे पहले से ही पार्टी में हैं और अगर वह नहीं होते तो शिंदे भी नहीं होते। सतीश प्रधान के टिकट के मुद्दे पर उन्होंने शिंदे पर हमला बोलते हुए कहा कि सतीश प्रधान को खुद बालासाहेब ठाकरे ने उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने दावा किया कि शिंदे गुट की मानसिकता बेहद निचले स्तर की है और अब इस पर बात खत्म हो चुकी है। संजय राउत ने आरोप लगाते हुए कहा, हमने कभी शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के साथ किसी और का फोटो नहीं लगाया। अरे पीएम मोदी से बड़ा फोटो लगाओ न आनंद दिघे का! उन्होंने कहा कि शिंदे गुट धीरे-धीरे बीजेपी में विलीन हो रहा है और धमकियों से वह डरने वाले नहीं हैं।

राज्य सरकार को घेरा

मुंबई के ट्रैफिक और आधारभूत सुविधाओं पर भी उन्होंने राज्य सरकार को घेरा और पूछा कि क्या इस पर कोई जवाब है? राउत ने शंभुराज देसाई पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आप गद्दार हैं। आनंद दिघे जैसे सम्मानित नेता के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि दिघे साहेब ने ठाणे को चुना और महाराष्ट्र में पार्टी को मजबूत किया।

उद्धव ठाकरे का दौरा और भविष्य की सियासी हलचल

संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे 4 अक्टूबर को पुणे और मराठवाड़ा का दौरा करेंगे। उन्होंने देवेंद्र फडणवीस और मनसे प्रमुख राज ठाकरे की मुलाकातों पर भी टिप्पणी की और कहा कि ये सब सिर्फ तनाव पैदा करने की कोशिशें हैं। बीजेपी नेताओं के बयानों पर

राउत ने कहा कि विधायक होने के बावजूद वे मर्यादा नहीं रखते और विधानसभा में मारपीट करते हैं, संजय राउत ने साफ किया कि वह धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और अपने विचार खुलकर रखेंगे. उन्होंने कहा कि बीजेपी और शिंदे गुट के नेता धीरे-धीरे एक हो रहे हैं, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) अपने विचारों पर अडिग है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रवासी मजदूरों के दर्द को भी समझे समाज

भारत के गरीब राज्यों के लोग बड़े राज्यों खासतौर से दक्षिण व पश्चिम राज्यों में काम की तलाश में लाखों की संख्या में जाते है। पर आए दिन इन मजदूरों खास तौर से बिहार, यूपी व बंगाल वालों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता है। यहां तक की उनके साथ मारपीट की खबरें आती हैं। ज्यादातर इसमें राजनीति ज्यादा दिखाई देती है। सरकारों को चाहिए की अपने राज्यों में ऐसी व्यवथा करें ताकि उन्हें अपना राज्य न छोड़ना पड़े अगर राज्य को छोड़ें भी तो उनकी सुरक्षा के लिए संबंधित राज्य को ठोस कदम उठाने चाहिए। इसमे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका केंद्र सरकार की है। प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं। वेतन वाले दिन यह श्रमिक इन अपराधी तत्वों का विशेष लक्ष्य होते हैं और फैक्ट्री से घर जाते समय इनको रास्ते में लूट लिया जाता है।

पुलिस प्रशासन इनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं देता और कई बार तो प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती। बहुत सी श्रमिक बस्तियां सड़ क, बिजली, पानी, सीवरेज जैसे मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं और इन श्रमिकों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। राजनीतिक दल बहला फुसला कर इनसे वोटें तो हासिल कर लेते हैं परंतु असंगठित होने के कारण इनकी मांगों पर गौर तक नहीं किया जाता। समय की मांग है कि आपराधिक कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करते हुए श्रमिक वर्ग के खिलाफ अभियान चलाने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्ती से पेश आया जाए और पंजाब में निवास कर रहे बाहरी राज्यों के श्रमिकों को पूरी सुरक्षा व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।प्रदेश में चले इस अभियान को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि प्रदेश पिछले कई दशकों से अलगाववाद की आग में जल रहा है। बिखराव की इस आंच में अलाव डालने का काम देश-विदेश में बैठी समाज विरोधी शक्तियां कर रही हैं। सोशल मीडिया पर चल रहे इस अभियान के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैण्डलरों के थ्रेड ही चेक कर लिए जाएं तो सारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि इसके पीछे कौन हैं। समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सभी को मिलकर प्रवासी मजदूरों के पक्ष में आवाज उठानी चाहिए।

“ प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सऊदी-पाक समझौता और भारत की फिक्र

प्रमोद जोशी

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच बुधवार 17 सितंबर को हुए आपसी रक्षा समझौते को लेकर भारत में आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। यह भी माना जा रहा है कि बेशक यह समझौता पश्चिम एशिया के बदलते हालात में काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भारत के खिलाफ नहीं है। और वस्तुत: पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच साठ के दशक से चली आ रही अनौपचारिक रक्षा-साझेदारी औपचारिक हो गई है। इसके साथ ही इन दोनों देशों के अमेरिका, इस्राइल और चीन के अलावा ईरान और तुर्की के साथ रिश्तों की पेचीदगियों को समझने की जरूरत भी होगी। साथ ही हाल में कतर पर हुए इस्राइली हमले के बाद की गतिविधियों पर भी नजर डालनी होगी।

इस समझौते के बारे में अभी तक ज्यादा विवरण सामने नहीं आए हैं, लेकिन इसमें कही गई एक बात ने भारत में पर्यवेक्षकों का ध्यान खींचा है, कि 'दोनों में से किसी भी देश पर हुआ आक्रमण को दोनों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा।' इससे कुछ लोग इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी परिस्थिति से जोड़ रहे हैं। सच यह है कि दोनों देशों के बीच यह समझौता लंबी बातचीत का परिणाम है। संभावना इस बात की है कि यूएई और बहरीन जैसे देश भी इस समझौते में शामिल हो सकते हैं। इस समझौते के ठीक पहले इस्लामिक देशों का एक संयुक्त सैनिक-बल बनाने की दिशा में भी पहल शुरू हुई है। यों तो इस समझौते पर काफी समय से काम चल रहा था, लेकिन हाल ही में कतर पर हुए इस्राइल के हमले के बाद इस पर हस्ताक्षर होने से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस्राइल की बढ़ती आक्रामकता और अमेरिकी रक्षा वायदे के कमजोर नजर आने के कारण यह पहला बड़ा रक्षा समझौता है जिस पर किसी अरब देश ने किसी परमाणु-सशस्त्र राष्ट्र के साथ हस्ताक्षर किए हैं। पूछा जा सकता है कि क्या इस समझौते के भारत की सुरक्षा से जुड़े निहितार्थ नहीं होंगे? भारत के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, 'सरकार को इस बात की जानकारी थी कि यह घटनाक्रम, जो दोनों देशों के बीच एक दीर्घकालिक समझौते को औपचारिक रूप देता है, विचाराधीन है।

जाहिर है कि सऊदी अरब ने भारत को इस मामले में 'लूप' में रखा है। बहरहाल, भारत इस घटनाक्रम के राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और

वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन जरूर करेगा। सऊदी अरब और यूएई ने भारत में अरबों डॉलर का निवेश किया है और भविष्य में भारी निवेश की संभावनाएं हैं। इसलिए यह भी स्पष्ट है कि ये देश भारत की सुरक्षा-प्राथमिकताओं को भी समझते हैं। सऊदी अरब के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, और भारत के लिए सऊदी अरब पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2023-24 में, द्विपक्षीय व्यापार 42.98 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें भारतीय निर्यात 11.56 अरब अमेरिकी डॉलर और आयात 31.42 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब में थे और सऊदी-अरब ने इस घटना की तुरंत निंदा की थी। बाद में, सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अचानक पाकिस्तान का दौरा किया। सऊदी अरब ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की ज्यादा कड़ी आलोचना कभी नहीं की। फरवरी, 2019 में पुलवामा आतंकी हमले की निंदा की थी, लेकिन बालाकोट हमलों की निंदा नहीं की थी। सबसे ताजा प्रकरण 2022-23 का है। पहले खबर आई कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यूएई के चैनल अल अरबिया के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हम कश्मीर समेत सभी मुद्दों पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ गंभीर बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के साथ तीन-तीन युद्ध लड़कर पाकिस्तान ने सबक सीख लिया है। इससे गरीबी, बेरोजगारी और परेशानी के सिवा हमें कुछ नहीं मिला। अब हम शांति चाहते हैं।

उसके फौरन बाद मंगलवार 17 जनवरी, 2023 को पाकिस्तान के सरकारी टीवी चैनल पर साक्षात्कार के प्रसारण के फौरन बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि पीएम के बयान को गलत संदर्भ में लिया गया। बातचीत तभी हो सकती है, जब भारत अगस्त, 2019 के फैसले को वापस ले। शरीफ ने अरब चैनल पर कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू कराने में संयुक्त अरब अमीरात महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिसके भारत के साथ बेहतर संबंध हैं। माना जाता है कि दोनों देशों ने फरवरी, 2021 में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी रोकने के लिए सन 2003 के समझौते को पुख्ता तरीके से लागू करने की जो घोषणा की थी, उसके पीछे भी यूएई की भूमिका थी।

हिमालयी राज्यों के अस्तित्व पर मंडराता संकट

हिमालयी राज्यों के लिए अब विकास और संरक्षण का प्रश्न नहीं, बल्कि अस्तित्व बचाने का है। यदि तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संकट न सिर्फ पर्यावरण, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन और संस्कृति को भी प्रभावित करेगा।

के.एस. तोमर

इस वर्ष की भारी वर्षा ने उत्तराखंड में विनाश की झलक दिखा दी, जबकि हिमाचल प्रदेश भी उसी संकट की छाया में है। बादल फटना, भूस्खलन, ग्लेशियरों का पिघलना और अवैज्ञानिक निर्माण ने इन हिमालयी राज्यों को त्रासदी की ओर धकेल दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल को चेताया भी है कि 'वह दिन दूर नहीं जब पूरा राज्य नक्शे से मिट सकता है।' यह चेतावनी उत्तराखंड पर भी समान रूप से लागू होती है। यह संकट पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर संकेत है। हिमालयी राज्यों की सबसे बड़ी त्रासदी का कारण अनियंत्रित निर्माण है। उत्तराखंड में 4,000 से अधिक होटल और गेस्टहाउस नदियों के प्राकृतिक बाढ़ मार्गों पर बने हैं, जो बाढ़ के समय सबसे पहले ध्वस्त होते हैं और तबाही को कई गुना बढ़ा देते हैं।

केवल 'नो कंस्ट्रक्शन जोन' घोषित कर इन ढांचों को चरणबद्ध हटाना ही हजारों जीवन बचा सकता है। वहीं चारधाम यात्रा में हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, जबकि हिमाचल के प्रमुख मंदिरों में सवा करोड़ से अधिक श्रद्धालु आते हैं। तंग घाटियां और नाजुक रास्ते इस भारी दबाव को सहन नहीं कर पाते हैं। इसके परिणामस्वरूप जाम, कचरे के ढेर और बरसात के दौरान गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं। इसलिए डिजिटल परमिट जारी कर दैनिक श्रद्धालुओं की संख्या को सीमित कर देना अनिवार्य है। इसम समय उत्तराखंड में 150 से अधिक और हिमाचल में 170 से अधिक बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं मंजूर की गई हैं, जिनमें विस्फोट और सुरंग बनाने के कारण पहाड़ अस्थिर हो रहे हैं। इसके विपरीत, 100-200 किलोवाट क्षमता के छोटे हाइड्रोप्रोजेक्ट बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए स्थानीय जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। अक्सर कंक्रीट के बांध तेज बहाव में टूट जाते हैं और बाढ़ का रूप ले लेते हैं। ऐसे में पेड़-पौधों और घास की प्राकृतिक दीवारें सस्ती, टिकाऊ और अधिक प्रभावी होती हैं। यह तरीका जापान और स्विट्जरलैंड में सफल रहा है। इससे क्षरण में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। इस समय हिमालय की 16,000 बस्तियों में 500 से भी कम जगह चेतावनी प्रणाली है।

बादल फटने जैसी घटनाओं में लोग बिना सूचना के मारे जाते हैं। ऐसे में हर घाटी में स्वचालित स्टेशन और मोबाइल अलर्ट जान बचा सकते हैं। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश निर्णय राजधानी में लिए जाते हैं, जिनका जमीनी स्तर पर कोई अनुभव नहीं होता। लेकिन खतरे को सबसे पहले पहाड़ों के निवासी महसूस करते हैं। यदि गांव और वन पंचायतों को अतिरिक्त अधिकार दिया जाएं, तो खतरनाक परियोजनाओं को शुरू करने से पहले रोका जा सकता है। हाल ही में अगस्त में उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से क्षीर गंगा पथरीली सैलाब बनकर उमड़ी और घर, होटल तथा सेना के कैंप को बहा ले गई। हर्षिल में पुल ढह गए, बाजार बह गए और बैरक डूब गए।

सड़कें बंद हो गईं, हेलिकॉप्टर उड़ान भरने में असमर्थ रहे और लोग पानी में अपने परिजनों को खोजते रहे। वर्ष 2024 में 1,813 भूस्खलन हुए। 1988 से अब तक 12,000 से अधिक भूस्खलन दर्ज हुए हैं। उत्तराखंड को लगभग 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। उत्तराखंड में करीब 150 से अधिक हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को तोड़ा जाना, नदियों का मार्ग बदलना, सड़कों का चौड़ीकरण और अनियंत्रित होटल निर्माण ने पहाड़ों को अस्थिर बना दिया है। हिमाचल की बात करें तो इस बरसात में 574 सड़कें अवरुद्ध हुईं, 369 पेयजल योजनाएं ठप रहीं और 812 ट्रांसफार्मर नष्ट हो गए। 400 से अधिक जानें गईं और रुपये 4,300 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ। इस समय सवा करोड़ से अधिक पर्यटक हर साल शिमला, धर्मशाला और मनाली पहुंचते हैं। जो राज्य की आबादी से कई गुना अधिक हैं। ग्रीन जोन में बहुमंजिला होटल, अनियंत्रित हाइड्रो प्रोजेक्ट और सड़कों का बेतरतीब चौड़ीकरण पहाड़ों को असुरक्षित बना रहा है। वैज्ञानिक पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि हिमाचल के ग्लेशियर 2050 तक 40 प्रतिशत तक घट सकते हैं।

दरअसल, दोनों राज्यों में समान गलतियां दोहराई जा रही हैं-ढलानों और आपदा जोखिम मानचित्र की अनदेखी, पर्यटन व तीर्थाटन को बिना क्षमता आकलन के बढ़ावा देना, मेगा हाइड्रो प्रोजेक्ट्स पर अंधविश्वास और स्थानीय समुदायों की अनदेखी। हजारों मौतों के अलावा रोजमर्रा की पीड़ा भी गहरी है-महिलाएं पानी के लिए दूर चलती हैं, बागवान उत्पादन कम होने से परेशान हैं, पर्यटनकर्मी आय खो रहे हैं, और युवा पलायन कर रहे हैं। हिमाचल को पर्यटकों की संख्या सीमित करनी चाहिए, ग्रीन बेल्ट में बहुमंजिला होटलों पर रोक लगानी चाहिए और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए। हिमालयी राज्यों के लिए अब विकास और संरक्षण का प्रश्न नहीं, बल्कि अस्तित्व बचाने का है। यदि तुरंत कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संकट न सिर्फ पर्यावरण, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन और संस्कृति को भी प्रभावित करेगा।

सेहत का खजाना हैं सब्जियों के छिलके

आलू

आलू के छिलके में विटामिन सी, विटामिन बी6, पोटेशियम, मैग्नीशियम और आयरन पाया जाते हैं। इसके अलावा आलू के छिलके में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो कब्ज की समस्या को भी दूर करता है। जितनी बार भी आपके घर में आलू की सब्जी बने, छिलके को कंज्यूम करें। आलू के छिलके को अलग-अलग तरह से यूज करके आप बहुत सी बीमारियों से सेफ रह सकते हैं और मेडिसिन का खर्च भी बचा सकते हैं। आलू में अच्छी-खासी मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में हेल्प करता है। आलू के छिलके मेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार हैं। अगर आप आयरन की कमी से जूझ रहे हैं तो बाकी सब्जियों के साथ आलू के छिलके खाना बहुत फायदेमंद रहेगा। आलू के छिलके में आयरन की अच्छी मात्रा होती है जिससे एनीमिया होने का खतरा कम हो जाता है।

बैंगन

बैंगन के छिलके में विटामिन के, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। बैंगन के छिलके में बहुत सारे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाव करने में मदद करते हैं। बैंगन के छिलके में पॉलीफेनॉल्स पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा कम होता है। अगर आपको बैंगन के छिलके का स्वाद या बनावट पसंद नहीं है, तो आप इसे पकाने या खाने से पहले छील सकते हैं। अगर आप छिलके सहित बैंगन खाना चाहते हैं, तो इसे अच्छी तरह से धो लें ताकि इसमें मौजूद कोई भी कीटनाशक या गंदगी निकल जाए। जबकि बैंगन के छिलके ज़्यादातर लोगों के लिए खाने के लिए सुरक्षित हैं। छिलके सहित बैंगन खाना ज़्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है और इससे अतिरिक्त पोषक तत्व और फाइबर मिल सकते हैं। अगर आपको छिलके का स्वाद और बनावट पसंद है, तो बेझिझक इसे अपने व्यंजनों में शामिल करें।

लौकी

केवल लौकी के अंदर का हिस्सा ही नहीं, बल्कि लौकी का छिलका भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, फाइबर और कई एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसका सेवन आपके पेट के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। लौकी का छिलका खाने से गैस, अपच, बवासीर की परेशानियों को कम किया जा सकता है। इसके अलावा यह कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से राहत दिलाने में मददगार है। लौकी का छिलका गैस की परेशानियों को कम करने में प्रभावी होता है। इसमें भरपूर रूप से फाइबर मौजूद होता है, जो गैस, कब्ज को दूर करने में असरदार है।

छिलके

अधिकतर लोग सब्जियों के छिलकों को हटाकर खाना बनाते हैं, लेकिन बहुत सी सब्जियों के छिलके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। अधिकतर घरों में यही होता है कि सब्जियों के छिलके को हटाकर खाना बनाया जाता है। लेकिन सब्जियों के छिलके का सेवन कितना लाभकारी होता है। कई सब्जियों के छिलकों में महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, लेकिन जिन्हें आमतौर पर हटा दिया जाता है। हमारी अच्छी सेहत के लिए कुछ सब्जियों के छिलके का सेवन भी जरूरी करना चाहिए, जैसे कि करेला, आलू, बैगन और गाजर आदि। इन सब्जियों के छिलके में उच्च मात्रा में कई तरह के विटामिन, पॉलीफेनॉल्स और जरूरी पोषक तत्व होते है। जिसे खाने से हमें कई फायदे मिल सकते हैं।

शरीर को बनाते हैं लोहा, भूल से भी कचरा समझ कर न फेकें

करेला

करेला को कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। करेला के छिलकों में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को बचाने में मदद करते हैं और कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। इसके अलावा यह और भी कई प्रकार के रोगों से बचाता है।

गाजर

अगर आपको गाजर के फायदे लेने हैं, तो गाजर को बिना छिलका उतारे खाएं। इसमें बीटा-कैरोटीन नामक गुण होता है, जो शरीर में विटामिन ए और विटामिन सी की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा इसमे फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जिनमें एंटी.इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

हंसना मना है

अध्यापक- तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। छात्र -सर, आज तक किसी ने बकरे या घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

विज्ञान के टीचर ने छात्र से पूछा, एलोवीरा क्या होता है? संता सिंह: जब एक पंजाबी व्हिस्की का पैग अपने बड़े भाई को देता है, तो कहता है ऐ लो वीरा? लड़की वाले- हमारी लड़की तो गाय है जी? बाबुजी- मतलब इतनी शरीफ है? लड़की वाले- नहीं, मतलब चरती रहती है दिनभर.. कभी गोलगप्पे, कभी चाट, कभी पिज़्ज़ा!

टीचर पप्पू से- चुनाव कितने चरणों में होता है? पप्पू- चुनाव केवल दो चरणों में होता है। टीचर-कैसे? पप्पू- चुनाव से पहले जनता के चरणों में.. चुनाव के बाद नेता के चरणों में..

अध्यापिका राकेश से बोली - कल मैंने तुझे कुत्ते पर निबंध लिखने को कहा था! तू लिखकर क्यों नहीं लाया? राकेश- क्या करूं मैडम, जैसे ही मैंने कुत्ते पर पेन रखा, वो भाग गया!

कहानी | ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत खुश रहते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न? बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी से किया हुआ अपना वादा पूरा जरूर करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

वृषभ

फालतू खर्च होगा। दुष्जन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा।

मिथुन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में अड़चनें आएंगी।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे।ऋण लेना पड़ सकता है।

सिंह

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है।

कन्या

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे।

तुला

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी।

वृश्चिक

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। दुस्साहस न करें।

धनु

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मकर

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। परिवार में तनाव रहेगा।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी।

मीन

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी।

आस्कर के लिए चुनी गई फिल्म होमबाउंड

होमबाउंड को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म ऑस्कर्स 2026 में इंडिया की तरफ से ऑफिशियल एंट्री के लिए चुनी गई है। ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म कई फिल्म फेस्टिवल में अपनी धूम मचा चुकी है। कान्स में इस फिल्म को 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था।

ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर की फिल्म अभी तक इंडिया में थिएटर्स के अंदर रिलीज नहीं हुई है। लेकिन इससे पहले ही इसने रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं। दुनियाभर के फिल्म फेस्टिवल में नाम कमाने के बाद, इसकी अब ऑस्कर्स में एंट्री हुई। इस खबर से फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर बेहद खुश हैं। उन्होंने अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, एक ऐसा पल जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा।

बेहद सम्मानित, विनम्र और एक्साइटेड हूं कि हमारी फिल्म होमबाउंड को 98वें अकैडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल

फीचर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया का तहे दिल से शुक्रिया कि उन्होंने हमारी कहानी, हम पर और हम भारतीय सिनेमा को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर क्या दिखा सकते हैं, इस पर विश्वास किया। पूरी टीम को हार्दिक बधाई।

होमबाउंड की सक्सेस पर डायरेक्टर नीरज घेवान का भी रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने लिखा, मुझे बहुत गर्व है कि होमबाउंड को ऑस्कर्स में इंडिया की ऑफिशियल एंट्री के लिए चुना गया है। हमारी धरती और हमारे लोगों के प्रति प्रेम से जुड़ी, ये उस घर का सार दिखाती है जिसे हम सभी साझा करते हैं। अपनी कहानियों को दुनिया तक पहुंचाना और सिनेमा के सबसे बड़े इंटरनेशनल स्टेज में से एक पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, विनम्र होने के साथ-साथ गर्व की बात भी है और इसके लिए मैं तहे दिल से आभारी हूं।

होमबाउंड को इंडिया की तरफ से ऑस्कर्स 2026 में भेजा गया है। लेकिन इसके अलावा कई और भी फिल्में थीं जिसे फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के पास ऑस्कर्स की रेस में जाने के लिए भेजा गया। बॉलीवुड की तरफ से केसरी चैप्टर 2, पुष्पा 2, तनवी द ग्रेट, द बंगाल फाइल्स, आई वॉन्ट टू टॉक, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव जैसी फिल्मों को ऑस्कर्स के लिए फेडरेशन के पास भेजा गया।

वहीं साउथ सिनेमा से पुष्पा 2, कन्नप्पा जैसी फिल्मों को भेजा गया। इसके अलावा मराठी सिनेमा से पानी, दशावतार, वनवास जैसी क्रिटिक्स द्वारा सराही गई फिल्मों को भेजा गया। लेकिन इन सभी फिल्मों को पछाड़कर होमबाउंड सबसे आगे निकली। हालांकि अभी फिल्म ऑस्कर्स की रेस में है या नहीं, इसका फैसला अकैडमी अवॉर्ड्स में मौजूद जूरी करेगी।

ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर की होमबाउंड ऑस्कर्स के लिए चुने जाने से पहले कई ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में कमाल कर चुकी है। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में होमबाउंड ने सभी को हैरान किया था। फिल्म को करीब 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। इसके अलावा फिल्म मेलबर्न इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी गई थी, जहां इसे बहुत तारीफें मिली। हाल ही में टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में भी होमबाउंड की खूब चर्चा हुई थी।

पहले भी दीपिका ठुकरा चुकी हैं कई बड़ी फिल्मों का ऑफर

दीपिका पादुकोण इंडस्ट्री की टॉप हीरोइनों में शुमार की जाती हैं। वो इन दिनों मदरहुड फेज को एंजॉय कर रही हैं। पिछली बार उन्हें सिंघम 3 में देखा गया था। फैंस उन्हें फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इस बीच दीपिका के बैक टू बैक फिल्म से बाहर होने से फैंस परेशान हैं।

पहले स्पिरिट और अब कल्कि 2898-ष के सीक्वल से दीपिका के बाहर होने की न्यूज से सभी को झटका लगा है। इसे लेकर तमाम वजहों को सोशल मीडिया पर सर्कुलेट किया जा रहा है। लेकिन दीपिका और मेकर्स ने वजह का खुलासा नहीं किया है।

वैसे ये पहली बार नहीं है जब दीपिका किसी बड़े प्रोजेक्ट से बाहर हुई हो। अब उन्हें निकाला गया था या वो खुद किन्हीं वजहों से फिल्म से बाहर हुई थीं, ये तो वो ही बेहतर बता सकती हैं। लेकिन दीपिका के इन प्रोजेक्ट्स से अलग होने की बॉलीवुड गलियारों में खूब चर्चा हुई थी। जानते हैं उनक मूवीज के बारे में।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका को फास्ट एंड फ्यूरियस 7 में रोल ऑफर हुआ था। लेकिन डेट इश्यूज की वजह से एक्ट्रेस को ये ऑफर ठुकराना पड़ा था। तब वो फिल्म गोलियां की रासलीला की शूटिंग में बिजी थीं।

कहते हैं दीपिका को धूम 3 भी ऑफर हुई थी। उन्हें आलिया के रोल के लिए अप्रोच किया गया था। लेकिन वर्क कमिटमेंट की वजह से दीपिका इस मूवी में काम नहीं कर पाई थीं।

सलमान खान स्टारर फिल्म सुल्तान ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाया था। दीपिका को ये फिल्म ऑफर हई थी। लेकिन एक्ट्रेस इसे नहीं कर पाई थीं। फिर दीपिका की वजह मूवी में अनुष्का शर्मा को कास्ट किया गया। दीपिका को फिल्म प्रेम रतन धन पायो में लीड रोल ऑफर किया गया था। लेकिन रोल के दमदार न होने की वजह से उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। बाद में ये रोल सोनम कपूर को मिला था।

खबरों के मुताबिक, फिल्म रॉकस्टार के लिए दीपिका मेकर्स की पहली पसंद थीं। लेकिन एक्ट्रेस के डेट्स इश्यूज की वजह से फिल्म रिजेक्ट करने के बाद इस कल्ट क्लासिक को नरगिस फाकरी को ऑफर किया गया।

बॉलीवुड | मन की बात

हमारे और जहीर के बीच कभी धर्म नहीं आएगा : सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा ने पिछले साल यानी 2024 में अपने पति जहीर इकबाल संग शादी रचाई थी। दोनों की शादी की खबर के बाद सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया था। एक तरफ जहां कई लोग सोनाक्षी की शादी से खुश थे, वहीं कुछ लोग एक्ट्रेस की इंटरफेथ मैरेज से नाराज थे। अब शादी के एक साल बाद सोनाक्षी ने जहीर संग अपने बॉन्ड और इंटरफेथ मैरेज पर खुलकर बात की है। सोनाक्षी ने अपने आप को जहीर संग शादी करने के बाद लकी बताया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वो अपने पति संग बेहद खुश हैं और उनकी मस्ती से अपने अंदर के बच्चे को जिंदा रख पाती हैं। वो एक-दूसरे को काफी सपोर्ट किया करते हैं और उनकी दोस्ती शादी के बाद भी काफी मजबूत है। सोनाक्षी ने जहीर के लिए कहा, वो 100 प्रतिशत दामाद बन चुका है। मेरे घर में हर कोई भागता-भागता कहता है कि जहीर आ रहे हैं, दामाद जी आ रहे हैं। सारा खाना तैयार रहना चाहिए। मेरी मां मुझसे 10 बार पूछती हैं कि दामाद जी क्या खाएंगे? आमतौर पर डाइट पर रहते हैं, तो इसलिए मेरी मां नाराज भी हो जाती हैं। मेरे पापा को उनके साथ वक्त बिताना बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि दोनों बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। तो जब भी मैं जाती हूं और अगर दोनों एक कमरे में बैठे होते हैं, तो मैं ही खामोश रहती हूं और दोनों आमतौर पर एक-दूसरे से बातें ही कर रहे होते हैं। सोनाक्षी ने आगे जहीर संग अपनी इंटरफेथ मैरेज पर भी बात की। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या उनके रिलेशनशिप में धर्म का कोई रोल रहा है, तो उन्होंने कहा, हम एक कपल के तौर पर कैसे हैं, नहीं। घर पर हम जिस तरह से रहते हैं, अलग-अलग तरीकों से, जिनमें हम पले-बढ़े हैं, कुछ रीति-रिवाज हैं जिनका वो और उनका परिवार पालन करते हैं, जिनका मैं सचमुच सम्मान करता हूं।

पति-पत्नी ने मिलकर की खेती, 3 छोटे हाथी के वजन बराबर उगा दिया कद्दू

आज की दुनिया में जहां लोग अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को दिखाते हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो खामोशी से कुछ ऐसा कर जाते हैं जो न सिर्फ चौंकाता है, बल्कि प्रेरणा भी देता है। ब्रिटेन के एक दंपत्ति की कहानी कुछ ऐसी ही है। उन्होंने अपने जुनून और कड़ी मेहनत से एक ऐसा कद्दू उगाया है जिसका वजन तीन छोटे हाथियों के बराबर है। ब्रिटेन के एश्टेड शहर में रहने वाले इस कपल का नाम जस्टिन ग्रिफिथ्सऔर के वॉकर है। इन दोनों ने अपने बगीचे में एक ऐसा कद्दू उगाया, जिसका वजन लगभग 390 किलो है। यह वजन तीन छोटे हाथियों (एक छोटा हाथी लगभग 120 चन्न का होता है) के बराबर है। अब यह सब्जी उनके बगीचे का मुख्य आकर्षण बन गया है। यह कद्दू 'अटलांटिक जायंट' किस्म का है, जो अपनी भारी भरकम साइज के लिए जाना जाता है। जस्टिन और के ने बताया कि यह बड़े आकार का होता है, यह पता था, लेकिन हमे उम्मीद नहीं थी कि यह इतना बड़ा हो जाएगा। इस महीने के अंत में यह कपल इस कद्दू को यूके नेशनल जायंट वेजिटेबल्स चैंपियनशिप में ले जाने की योजना बना रहा है। जस्टिन ने बीबीसी को बताया कि इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए उन्हें एक इंजन क्रेन या कई लोगों की मदद लेनी पड़ेगी। इस कपल ने अपने बगीचे में टमाटर और लीक्स भी उगाए हैं, लेकिन इस विशाल कद्दू ने अब पूरी जगह घेर ली है। उनका दूसरा कद्दू भी काफी बड़ा है, जिसका वजन लगभग 250 किलोग्राम है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, सबसे भारी कद्दू का रिकॉर्ड 2023 में कैलिफ़ोर्निया में बनाया गया था, जिसका वजन 1,246.9 किलोग्राम था। बता दें कि पिछले साल दो जुड़वां भाइयों इयान और स्टुअर्ट पैटन ने एक टन से अधिक वजन वाला कद्दू उगाकर ब्रिटिश रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इस कद्दू को उठाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा था। दोनों भाइयों ने तीन महीने तक हर दिन तीन-तीन घंटे इस कद्दू की देखभाल की थी, ताकि उसे गिनीज बुक्स में दर्ज करा सकें। हालांकि, वे विश्व रिकॉर्ड से थोड़े पीछे रह गए, लेकिन उन्होंने ब्रिटिश रिकॉर्ड बनाकर एक छोटी कार के बराबर वजन का कद्दू उगाया। इयान ने बताया, 'इसमें बहुत मेहनत लगा। हमने अप्रैल में बीज बोए और जून में फल लगा। फिर यह बहुत तेजी से बढ़ा और 113 दिन में तैयार हुआ। हम इसे एक बड़ी वॉल्वो में बहुत सावधानी से रिकॉर्ड स्थल तक लाए, जिसकी गति लगभग 50 मील प्रति घंटा थी। दूसरे ड्राइवर भी हमें देखकर हैरान थे। कुछ लोग तो हमें दोबारा देखने के लिए अपनी गाड़ियों की स्पीड कम कर लेते थे।

अजब-गजब | आदमी है या ट्रक का इंजन!

पिछले 33 सालों से रोज इंजन ऑयल पीता है शख्स

भारत में हर दिन सोशल मीडिया पर अजीबोगरीब वीडियो वायरल होती रहती हैं। कभी कोई इंसान अपने अनोखी आदतों के कारण चर्चा में आता है तो कभी कोई अपनी जीने के ढंग की वजह से सुर्खियां बटोरता है। हाल ही में कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने लोगों को चौंका दिया है। यहां के एक शख्स को लोग ऑयल कुमार के नाम से जानते हैं, जो पिछले 33 सालों से इंजन ऑयल और चाय पर ही अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं।

शिवमोग्गा के रहने वाले इस शख्स का असली नाम कुमार है, लेकिन लोग उन्हें ऑयल कुमार कहकर बुलाते हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर कुमार के वीडियो को avalakki_pavalakki नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। शेयर करते ही ये वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में कुमार बिना शर्ट पहने, लुंगी डाले और एक साधु जैसे दिख रहे हैं। वीडियो में वह सीधे बोतल से इंजन ऑयल पीते हुए दिख रहे हैं। यही वजह है कि उनकी अनोखी आदत ने उन्हें रातों-रात इंटरनेट पर मशहूर कर दिया।

भारत में हर दिन सोशल मीडिया पर अजीबोगरीब वीडियो वायरल होती रहती हैं। कभी कोई इंसान अपने अनोखी आदतों के कारण चर्चा में आता है तो कभी कोई अपनी जीने के ढंग की वजह से सुर्खियां बटोरता है। हाल ही में कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने लोगों को चौंका दिया है। यहां के एक शख्स को लोग ऑयल कुमार के नाम से जानते हैं, जो पिछले 33 सालों से इंजन ऑयल और चाय पर ही अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं।

शिवमोग्गा के रहने वाले इस शख्स का असली नाम कुमार है, लेकिन लोग उन्हें ऑयल कुमार कहकर बुलाते हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर कुमार के वीडियो को avalakki_pavalakki नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। शेयर करते ही ये वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में कुमार बिना शर्ट पहने, लुंगी डाले और एक साधु जैसे दिख रहे हैं। वीडियो में वह सीधे बोतल से इंजन ऑयल पीते हुए दिख रहे हैं। यही वजह है कि उनकी अनोखी आदत ने उन्हें रातों-रात इंटरनेट पर मशहूर कर दिया।

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर जमकर वायरल हो रहा है और अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग इसे लाइक कर चुके हैं। लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। कोई इस खबर को चमत्कार बता रहा है तो कोई मजाकिया अंदाज में भी इस पर कमेंट कर रहा है। एक यूज़र ने लिखा- RIP SCIENCE, SCIENCE SHOCK, AYYAPPA ROCK, जबकि दूसरे ने मज़ाक करते हुए पूछा- कौन-सा इंजन है ये। वहीं कई लोगों ने इसे भगवान अयप्पा का चमत्कार भी बताया।

मोदी जी आप विदेशी जहाज में घूमना छोड़िए : केजरीवाल

» स्वदेशी की अपील पर आप संयोजक का पीएम पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज (22 सितंबर) से भारत में कई चीजें सस्ती हो गई हैं। वस्तु एंव सेवा कर यानी जीएसटी में बदलाव होने से इन वस्तुओं के दामों पर असर पड़ा है। दरअसल, अब भारत में जीएसटी के सिर्फ दो ही स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही बचे हैं, जबकि 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत वाले स्लैब को हटा लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों स्वदेशी सामान खरीदने का आह्वान किया है। लेकिन इसको लेकर पूर्व सीएम केजरीवाल ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने अपने एक्स (एक्स) अकाउंट पर लिखा कि प्रधानमंत्री जी, आप चाहते हैं कि जनता स्वदेशी इस्तेमाल करे।

केजरीवाल ने कहा आप खुद स्वदेशी इस्तेमाल करना शुरू कीजिए? जिस विदेशी जहाज से रोज घूमते हैं, उसे छोड़ दीजिए? सारा दिन जितने विदेशी समान इस्तेमाल करते हैं, उन्हें छोड़ दीजिए। केजरीवाल के पोस्ट से भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भड़क गए। आप भारत में काम कर रही चार अमेरिकी कंपनियों को बंद कर दीजिए? ट्रम्प रोज भारत और भारतीयों का अपमान कर रहा है। आप भी तो कुछ कीजिए? लोग अपने प्रधानमंत्री से एक्शन की उम्मीद रखते हैं, प्रवचन की नहीं।

ट्रम्प से जूते पड़ने पर भाजपाई चिल्ला रहे स्वदेशी -स्वदेशी : संजय सिंह

» एसआईआर एक बहुत बड़ा मुद्दा

आप के राज्यसभा सांसद ने भाजपा के स्वदेशी अपनाओ नारे पर जमकर हमला बोला है। सुल्तानपुर में उन्होंने मीडिया से कहा, प्रधानमंत्री का रहन-सहन, उनका कपड़ा, पेन, मोबाइल उनका तौर तरीका, उनका जीवन सारा तो विदेशी सामानों पर निर्भर है। आप अमेरिका के ऊपर निर्भर हैं, आप चीन को ऊपर निर्भर हैं, आप जापान के ऊपर निर्भर हैं। चूंकि आपको रोज ट्रम्प से जूते पड़ रहे हैं तो अब स्वदेशी-स्वदेशी चिल्ला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा हम लोगों को बेवकूफ समझते हो आप। क्या है स्वदेशी? स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए आपने क्या किया है। संजय ने कहा गलवान घाटी की घटना के बाद जब चीन ने हमारे बीस जवानों को चीन ने शहीद किया तब उसके बाद भारत का चीन से व्यापार 39 लाख करोड़ रुपए का है तो इनके मुंह से स्वदेशी शब्द ही नहीं निकलना चाहिए, अगर कोई भाजपाई स्वदेशी शब्द बोले तो उसके मुंह में तो छाला पड़ जाना चाहिए। उन्होंने कहा एसआईआर एक बहुत बड़ा मुद्दा है। अगर वो बात तथ्य के साथ रखी जा रही है। हमने भी दिल्ली के अंदर तमाम प्रमाण दिए थे। चुनाव शुरू होने से पहले नई दिल्ली का 42 हजार वोट काट दिया गया था। 14 विधानसभाओ में हजारों हजार वोट काटने के लिए बीजेपी के नेताओं ने एप्लिकेशन दी थी। केंद्रीय मंत्री के घरो में जहां तीन वोट थे तैंतीस हो गए, जहां पांच वोट थे पचवीस हो गए। इस तरह से फॉड किया गया था। लेकिन चुनाव आयोग इन सभी घपले घोटाले में क्योंकि शामिल है इसलिए वो कार्रवाई नहीं करते। वही सीएम योगी पर आई फिल्म को लेकर संजय ने कहा इधर कई मूवी आई बार-बार प्लॉप हो रही है। बंगाल फाइल आई प्लॉप हो गई, उदयपुर फाइल आई प्लॉप हो गई। धीरे-धीरे लोग इस तरह की राजनीति से ऊब रहे हैं।

बीजेपी की राजनीति से ऊब रहे हैं लोग

अपनी गरिमा गिरा चुकी है बीजेपी : जीतू पटवारी

» सीएम यादव के चप्पल वाले बयान पर भड़के पीसीसी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर बड़ा हमला बोला। कहा कि अशोकनगर में मुख्यमंत्री द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द चप्पल, चोरी और जूता, नशा जैसे हैं, जो पद की गरिमा के खिलाफ हैं। मुख्यमंत्री को जनता से किए वादों पर बात करनी चाहिए न कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के अंदर ही मुख्यमंत्री को हटाने का अभियान चल रहा है। बहनों को तीन हजार रुपये देने का वचन दिया गया था, लेकिन सरकार सिर्फ 1200 रुपये दे रही है। यह बहनों का अपमान है और 1800 रुपये की चोरी है। पटवारी ने चेतावनी दी कि जब तक वादे पूरे नहीं होंगे तब तक कांग्रेस आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने दावा किया कि 2028 के चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

बता दें मुरैना जिले में कैलारस शक्कर कारखाने को बंद करने के सरकार के फैसले के विरोध में जीवाजी गंज में संयुक्त किसान मोर्चा और कांग्रेस की ओर से किसान मजदूर महापंचायत आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम में जीतू पटवारी भी पहुंचकर किसानों, मजदूरों से संवाद करेंगे। वे इस मौके पर सरकार के फैसले को लेकर पार्टी की स्थिति स्पष्ट करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा और कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि महापंचायत में कारखाना बंद करने के सरकार के फैसले के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई जाएगी। महापंचायत में किसान नेता राकेश टिकैत दोपहर जीवाजी गंज पहुंचेंगे।

सुपर-4 में भी भारत ने पाकिस्तान को चटाई धूल

» अभिषेक ने गिल के साथ मिलकर दिलाई दमदार शुरुआत, खेली 75 रन की आतिशी पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने एशिया कप के सुपर चार चरण के मैच में पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर विजय अभियान जारी रखा है। इससे पहले टीम ने ग्रूप चरण में भी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की।

जिसकी बदौलत भारत ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 174 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। अभिषेक ने शाहीन अफरीदी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर इरादे साफ कर दिए। गिल ने भी तेजी से रन जुटाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत नींव दी। अभिषेक ने 24 गेंदों में करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया। यह भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए किसी टी20 मुकाबले में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। उन्होंने कुल 74 रन बनाये। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे कम गेंदों में 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 331 गेंदों में 50 छक्के पूरे किए। वहीं शिवम दुबे ने अयूब (21) और फरहान (58) को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई। वहीं मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल चार कैच छोड़े। दोनों ओपनरों के आउट होने के बाद पाक ने मैच में दबाव बनाया लेकिन 19वें ओवर में तिलक वर्मा ने शाहीन को छक्के-चौके जड़ सात गेंदे शेष रहते टीम को जीत दिलाई। पांड्या पाक के खिलाफसबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

वह आठ मैचों में अब तक 15 विकेट ले चुके हैं।

अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने

भारत से पाक 2022 से एक भी मैच नहीं जीता

दुबई। भारतीय टीम ने क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान को फिर परास्त कर दिया है और इस टीम का खिलाफ 7-0 का अजेय अभियान जारी रखा है। आठ दिन के अंदर ये दूसरी बार था जब पड़ोसी देश की टीम को सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम ने शिकस्त दी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ बेदम नजर आई है। भारत के खिलाफ पिछले सात मुकाबलों से पाकिस्तानी टीम का यही हाल रहा है। चाहे टी20 हो या वनडे, विश्व कप हो या एशिया कप या चैंपियंस ट्रॉफी, पाकिस्तान की टीम भारत के आगे नहीं टिक सकी है। 2022 टी20 विश्व कप से शुरू हुआ ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और हर बार पाकिस्तानी टीम को मुंह की खानी पड़ी है।

पर्वों के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान दें

» महापौर ने दिये प्रमुख मार्गों पर पैच मरम्मत और गड्ढा भराई करने के निदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी नवरात्रि, दशहरा एवं स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा को सफल एवं विशेष बनाने हेतु नगर निगम लखनऊ द्वारा शहरभर में वृहद विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य पर्वों के दौरान शहरी व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और स्वच्छता को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाना है। साथ ही, 110 वार्डों के पार्षद अपने-अपने वार्ड में इस अभियान को वृहद स्तर पर संचालित कर सफल बनाएंगे, जिससे शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाया जा सके।

महापौर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व एवं नगर आयुक्त की उपस्थिति में आज हनुमान सेतु मंदिर क्षेत्र से इस अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। नगर आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नवरात्रि से प्रारंभ होने वाले दुर्गा पूजा, दशहरा, रामलीला आदि आयोजनों के दौरान स्वच्छता, नाले-नालियों की सफाई, सार्वजनिक यातायात और नागरिक सुविधाओं को समयबद्ध एवं सुचारु बनाए रखा जाए। प्रमुख मंदिरों, रामलीला स्थलों, दुर्गा पूजा पंडालों, पार्कों और गोमती नदी घाटों सहित सभी पहुंच मार्गों पर विशेष सफाई अभियान। कूड़ा संग्रहण एवं त्वरित निस्तारण की समुचित व्यवस्था। नालियों की सफाई, जल निकासी, पानी का छिड़काव, एंटी लार्वा ट्रीटमेंट और फॉगिंग कार्य सुनिश्चित। प्रमुख मार्गों पर पैच मरम्मत, गड्ढा भराई, मलबा उठान तथा प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कर यात्रियों के निर्बाध आवागमन की सुविधा।

बच्चों को जबरन बुलाकर किया गया आयोजन : डोटासरा

» सीएम के नशा मुक्ति कार्यक्रम पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीकर। सीएम भजनलाल शर्मा ने सीकर में सांवली गांव में आयोजित कार्यक्रम में हजारों स्टूडेंट्स को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने एक्स पर बयान जारी करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री मेरे गृह जिले सीकर आए और कोचिंग संस्थाओं, निजी व सरकारी शिक्षण संस्थाओं को टारगेट कर जबरदस्ती बच्चों को बुलाकर कार्यक्रम आयोजित कर दिया। करीब आधे घंटे तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। नशे के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि पिछली सरकार में नशे का कारोबार फैला हुआ था, लेकिन अब सीमा क्षेत्रों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई और हजारों गिरफ्तारियां भी हुईं।

बिहार में बिगड़े सियासी बोल, नेता एक दूसरे पर छोड़ने लगे शब्द बाण

पीएम मोदी की मां को अपशब्द के बाद पीके को नटवर लाल कहने पर बवाल

राजद- कांग्रेस व भाजपा जदयू में वार-पलटवार जारी

» अपशब्द कहने वालों को जेल भेजो, वरना आंदोलन करेंगे : तेज प्रताप यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार अधिकार यात्रा के दौरान वैशाली में प्रधानमंत्री की मां को अपशब्द कहे जाने के मामले ने सियासत गर्मा दी है। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बड़े भाई और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वहीं राजद ने बीजेपी विधायक पर ही इसे बनाने का आरोप लगाया है। इन सबके बीच सभी पार्टियों में तू-तू-मैं-मैं शु रू हो गई है। पीके ने जहां भाजपा पर तंज कसा है तो वहीं बीजेपी ने उनको नटवर लाल बताकर वहां की सियासत को गरमा दिया है।

बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, ठीक वैसे-वैसे नेताओं की जुबान भी तीखी और अमर्यादित होती जा रही है। अपशब्दों का इस्तेमाल भी शुरू हो गया है। अभी प्रधानमंत्री की मां की गाली का मामला शांत भी नहीं हुआ कि भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने प्रशांत किशोर को नटवरलाल कह डाला है और इस पर प्रशांत किशोर ने पलटवार किया है।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है और आज फिर कहता हूं कि मां किसी की भी हो, मां होती है और वह पूजनीय है। मां अपने संतान को जन्म देती है और नौ महीने गर्भ में रखती है। उसका अपमान अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने प्रधानमंत्री की मां को गाली दी है या अपमानजनक शब्द कहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। तेज प्रताप यादव ने चेतावनी दी कि अगर दोषियों को जेल नहीं भेजा गया तो वे आंदोलन करेंगे। तेज प्रताप ने कहा कि जनशक्ति जनता दल महुआ में आंदोलन की शुरुआत करेगा और सरकार से मांग करेगा कि मां शब्द का अपमान करने वालों को बख्शा न जाए।

वास्तविक मुद्दों पर होनी चाहिए चर्चा : राजद

आरजेडी विधायक ने आरोप लगाया कि बिहार में बेरोजगारी और महंगाई जैसे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव हर यात्रा में लोगों को रोजगार और सरकारी नीतियों की जानकारी देने पर ध्यान देते हैं. हमें बेरोजगारी और महंगाई पर काम करना चाहिए, न कि किसी के मां-बाप को गाली देकर झूठा वीडियो बनाना चाहिए।

बीजेपी के विधायक ने ही क्रिएट किया पीएम की मां की गाली वाली वीडियो : मुकेश रोशन

आरजेडी की ओर से दावा किया गया है कि यह वीडियो पातेपुर के मौजूदा बीजेपी के विधायक लखेंद्र पासवान द्वारा क्रिएट और एडिट किया गया है। यह बीजेपी की सत्ता में बने रहने की हरकत का हिस्सा है। आरजेडी के विधायक डॉ. मुकेश रोशन ने कहा, वीडियो पूरी तरह से एडिटेड है और इसे बीजेपी विधायक लखेंद्र पासवान द्वारा क्रिएट करवाया गया है। सभा में हजारों की भीड़ थी, लेकिन तकनीकी कारणों से तेजस्वी यादव का भाषण साफ सुनाई नहीं दे रहा था। इसके बावजूद बीजेपी ने वीडियो एडिटिंग कर यह दिखाने की कोशिश की कि मंच से गाली दी गई। डॉ. मुकेश रोशन ने कहा कि इतना गिरकर राजनीति नहीं होना चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए प्रधानमंत्री की मां को गाली देने का यह प्रयास निंदनीय है. हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं में ऐसा अनुशासन है कि कभी किसी को अपमानित नहीं किया जाता।

पीके बोले- दोनों में मैच फिक्स्ड

जहानाबाद के गांधी मैदान में सभा के बाद पत्रकारों ने जब उनसे पूछा की आपको नटवरलाल कहा जा रहा है तो प्रशांत खुद अपनी जुबां पर संयम नहीं रख पाए और कहा कि रोड पर चलते हुए हर इंसान का जवाब देना जरूरी नहीं है। उन्होंने बिहार में मोदी जी की मां को गाली दिए जाने पर कहा की दोनों में मैच फिक्स हो चुका है। जो राजद के लोग मोदी जी की मां को गाली दे रहे है तो वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तेजस्वी यादव की मां को अपनी बहन बताते है। मंच पर आते ही प्रशांत किशोर ने मंच संभालते ही लोगों से जात-पात और सब्जबाग दिखाने वाले नेताओं से आम लोगों को परहेज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा की अगर उनकी सरकार बनती है तो सूबे के साथ-साथ गरीबों का भी विकास होगा और फैक्टरी गुजरात के बदले बिहार में लगेगी बड़ी संख्या में पहुंचे जन सुराज के कार्यकर्ताओं ने भी प्रशांत किशोर का जमकर उत्साह बढ़ाया।

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया नोटिस

» एअर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच रिपोर्ट को लेकर शीर्षकोर्ट नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में यात्रियों से भरा एअर इंडिया का प्लेन अचानक क्रैश हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई, लेकिन प्लेन क्रैश की असली वजह अभी तक सामने नहीं आ सकी है। इसपर जांच अभी जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में प्लेन क्रैश की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई की। सर्वोच्च न्यायालय ने एएआईबी की प्राथमिक जांच को गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। इस रिपोर्ट में प्लेन क्रैश की वजह साफ न करते हुए पायलट की चूक का अंदेशा जताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए नाराजगी जाहिर की है। सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए दावा किया है कि एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच में मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। याचिका में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की रिपोर्ट पर सवाल खड़े किए गए हैं।

प्रशांत भूषण ने उठाए थे सवाल

5 सदस्यों की टीम मामले की जांच कर रही है, जिनमें 3 सदस्य डीजीसीए के हैं। प्लेन क्रैश में डीजीसीए भी जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में इस मामले की निष्पक्ष जांच कैसे होगी?

गोपनीयता बरकरार रखने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट पर बात करते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हिस्सों में जानकारी साझा करने की बजाए जब तक जांच पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती और कोई निष्कर्ष नहीं निकलता है, तब तक गोपनीयता का खास ख्याल रखा जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़: मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सोमवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र से सटे अबूझमाड़ इलाके के जंगल में सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक टीम तलाशी अभियान पर निकली थी।

पुलिस ने बताया कि इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि अब तक घटनास्थल से एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया गया है तथा रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 248 नक्सली मारे जा चुके हैं।

कैंट इलाके में हुई तेंदुए की एंट्री!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कैंट इलाके में तेंदुआ देखे जाने से हड़कंप मच गया है। गन्ना संस्थान के पास सड़क पार करते तेंदुए का वीडियो एक कार सवार ने अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो वायरल होते ही कैंट क्षेत्र की करीब 5 लाख आबादी दहशत के साए में आ गई।

वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप

वीडियो सामने आने के बाद वन विभाग और कैंट बोर्ड की टीम तुरंत सक्रिय हो गई। मौके से तेंदुए के पंजों के निशान भी बरामद किए गए। अब इलाके में तीन-तीन शिफ्टों में आठ-आठ घंटे की ड्यूटी पर कर्मचारी लगाए गए हैं। साथ ही तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैप कैमरे भी फिट किए गए हैं। आर्मी के जवान भी इलाके में गश्त कर रहे हैं।

डीएफओ शितांशु पांडेय ने बताया कि इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि रात के समय अकेले बाहर न निकलें और पालतू जानवरों को सुरक्षित स्थान पर रखें। साथ ही यदि कहीं तेंदुआ दिखाई दे तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें।

पहले भी दिख चुका है तेंदुआ

विशेषज्ञों का कहना है कि लखनऊ कैंट का इलाका जंगलों से जुड़े ग्रीन कॉरिडोर की वजह से तेंदुओं के मूवमेंट का सुरक्षित रास्ता बन चुका है। यही कारण है कि पिछले साल भी यहां तेंदुए के पगचिह्न मिले थे और तब भी ट्रैप कैमरे लगाए गए थे।

कन्हैया की हत्या करने वाले बीजेपी कार्यकर्ता थे: गहलोत

पूर्व सीएम ने एनआईए की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच में देरी पर बरस पड़े कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर दौरे के दौरान कन्हैयालाल हत्याकांड और मौजूदा भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि इस जघन्य वारदात को तीन साल से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। गहलोत ने सीधे तौर पर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केस की सुनवाई में गंभीर लापरवाही हुई है।

गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल केस शुरू से एनआईए के पास है, चालान पेश हो चुका है, लेकिन 166 गवाहों में से अब तक केवल 15 की गवाही हो पाई है। उन्होंने कहा कि इतनी लापरवाही मैंने आज तक नहीं देखी। अगर केस हमारे पास होता तो छह महीने से एक साल में फैसला आ जाता और दोषियों को उम्रकैद या फांसी की सजा मिल चुकी होती। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि हत्या करने वाले दोनों आरोपी बीजेपी के कार्यकर्ता थे।

सीएम भजनलाल शर्मा को घेरा

गहलोत ने मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सीएम समस्याओं पर केवल पत्र लिखते हैं, लेकिन जनता को कोई जवाब नहीं मिलता। पहले लोग कहते थे राज देख रहा है, लेकिन आज लगता है राज देख नहीं रहा, घूम रहा है। गहलोत ने धौलपुर दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने हेलिपैड पर ही लोगों को बुला लिया। उन्होंने तंज कसा कि समझ नहीं आता, उन्हें सलाह कौन देता है।

केंद्र सरकार और एजेंसियों पर हमला

गहलोत ने केंद्र सरकार की कार्यशैली और केंद्रीय एजेंसियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स और चुनाव आयोग विपक्ष को निशाना बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से सिर्फ सवाल पूछा था, लेकिन जवाब देने की बजाय आयोग ने एफिडेविट मांग लिया। गहलोत ने कहा कि एजेंसियों को दबाव में काम करने के बजाय स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से जांच करनी चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।